

## Dept. of Philosophy, DSPMU, Ranchi

### Sample questions for UG End Semester 1 Examination 2021

#### Paper- GE-1 (INDIAN PHILOSOPHY)

1. Select the correct option of the following.

सही विकल्प का चयन करें.

1. The word Philosophy sample questions for( B.A.Hons) end semester 5 examination2021 Paper- cc-11, 501 (Symbolic Logic) is originated-

दर्शन शब्द व्युत्पन्न है-

- I. From kr verb कृ धातु से
- II. From gum verb गम् धातु से
- III. From drish verb दृश धातु से
- IV. None of these इनमे कोई नहीं

2."Drishyte anen eti darshanam " is the definition of.....-

"दृश्यते अनेन इति दर्शनम्".....की परिभाषा है –

- I. Economics अर्थशास्त्र
- II. Philosophy दर्शनशास्त्र
- III. Logic तर्कशास्त्र
- IV. None of these इनमे कोई नहीं

3. Indian philosophy is not -

भारतीय दर्शन नहीं है –

- I. Pessimistic निराशावादी
- II. Spiritualistic अध्यात्मवादी
- V. Naturalistic प्रकृतिवादी
- VI. None of these इनमें कोई नहीं

4. 'Rta ' is –

ऋत है-

- I. moral law नैतिक नियम
- II. religious law धार्मिक नियम
- III. political law राजनीतिक नियम
- IV. none of these इनमें कोई नहीं

5. There are two sects of Indian philosophy-

भारतीय दर्शन के दो संप्रदाय हैं –

- I. Natural and a-natural प्राकृतिक और अप्राकृतिक
- II. Materialist and spiritualist भौतिकवादी और अध्यात्मवादी
- III. Orthodox and heterodox आस्तिक और नास्तिक
- IV. None of these इनमें कोई नहीं

6. What is the fundamental cause of suffering according to Indian philosophy-

भारतीय दर्शन के अनुसार दुःख का मूल कारण है-

- I. Ignorance अविद्या
- II. Knowledge ज्ञान
- III. Both दोनों
- IV. None of these इनमें कोई नहीं

7. There are part of veda-

वेद के भाग हैं -

- I. Five पांच
- II. Three तीन
- III. Four चार
- IV. Two दो

8. Liberation is of two kinds-

मोक्ष दो प्रकार के हैं-

- I. Life and death जीवन और मृत्यु
- II. Nirvana and life निर्वाण और जीवन
- III. Death and videh मृत्यु और विदेह
- IV. Jivan mukti and videh mukti जीवनमुक्ति और विदेहमुक्ति

9. The founder of Buddhism is-

बौद्ध दर्शन के प्रवर्तक हैं-

- I. गौतम बुद्ध Gautam Buddha
- II. पतंजलि Patanjali
- III. महावीर mahaveer
- IV. शंकर shankar

10. The founder of Buddhism is-

जैन दर्शन के प्रवर्तक हैं-

- I. महावीर Mahaveer
- II. गौतम बुद्ध Gautam Buddha
- III. ऋषभदेव Rishabhdev
- IV. कणाद Kanad

11. Buddha has pointed noble truth-

बुद्ध ने आर्यसत्य बतलाया है-

- I. One एक
- II. two दो
- III. three तीन
- IV. four चार

12. The first noble truth is-

पहला आर्यसत्य है -

- I. suffering दुःख
- II. bliss आनंद
- III. happiness सुख
- IV. None of these इनमें कोई नहीं

13. Nastik darshan in Indian philosophy-

भारतीय दर्शन में नास्तिक दर्शन हैं-

- I. चार्वाक Charvaka
- II. जैन Jaina
- III. बौद्ध Bauddha
- IV. उपर्युक्त सभी All of above

14. Fourth noble truth of Buddha is called-

बुद्ध का चतुर्थ आर्यसत्य कहलाता है-

- I. pratitya samutpada प्रतीत्य समुत्पाद
- II. causation कारणतावाद
- III. Eightfold path अष्टांगिक मार्ग
- IV. None of these इनमे कोई नहीं

15. The second noble truth of Buddha is-

बुद्ध का द्वितीय आर्यसत्य है -

- I. cause of suffering दुःख का कारण
- II. end of suffering दुःख का अंत
- III. happiness सुख
- IV. None of these इनमें कोई नहीं

16. Buddhism and Jainism are-

बौद्ध दर्शन और जैन दर्शन -

Contemporary समकालीन

Modern आधुनिक

Successive अनुक्रमिक

none of these इनमें कोई नहीं

17. What is the fundamental cause of suffering according to Indian philosophy-

भारतीय दर्शन के अनुसार दुःख का मूल कारण है-

Ignorance अविद्या

Knowledge ज्ञान

Both दोनों

None of these इनमें कोई नहीं

18. The first teerthankar according to भारतीय दर्शन की मूल प्रकृति है -

Psychological मनोवैज्ञानिक

Spiritual आध्यात्मिक

Natural प्राकृतिक

None of these इनमें कोई नहीं

Jainism is-

19.The first teerthankar according to jaina philosophy is-

जैन दर्शन के अनुसार प्रथम तीर्थंकर है -

Buddha बुद्ध

Mahaveer महावीर

Rishabhadeva ऋषभदेव

Parshvanath पार्श्वनाथ

20.Has established the theory of Dehatmavad-

देहात्मवाद की स्थापना .....ने की है -

Ramanuj रामानुज

Mahaveer महावीर

Charvaka चार्वाक

None of these इनमे कोई नहीं

21.पुरुषार्थ हैं -

चार

दो

तीन

इनमे कोई नहीं

22. भारतीय दर्शन है -

I. अव्यवहारिक

II. व्यावहारिक

III. परिकल्पनात्मक

IV. इनमे कोई नहीं

23." खाओ ,पीओ ,मौज करो ..." किस दर्शन की उक्ति है –

"eat ,drink and be merry...."is the saying of-

Buddhism बौद्ध दर्शन

Jaina जैन दर्शन

Charvaka चार्वाक दर्शन

One of these इनमें कोई नहीं

24.भारतीय दर्शन में तीन प्रकार के कर्म माने गए हैं-

अकर्म ,विकर्म और कर्म

काम्य ,निषिद्ध और प्रायश्चित

प्रारब्ध ,संचित और क्रियमाण

25. The founder of Nyaya philosophy is –

न्याय दर्शन के प्रवर्तक हैं –

Jaimini जैमिनी

Kanad कणाद

Charvaka चार्वाक

Gautam गौतम

26.The meaning of advaita is-

अद्वैत का अर्थ है -

Not one एक नहीं

Not three तीन नहीं

Not two दो नहीं

None of these इनमें कोई नहीं

27. 'Rta ' is –

ऋत है-

moral law नैतिक नियम

religious law धार्मिक नियम

political law राजनीतिक नियम

none of these इनमें कोई नहीं

28. The concept of rath rupak is propounded in –

रथ रूपक की अवधारणा प्रतिपादित है-

Upanishads उपनिषद् में

Jainism जैन धर्म में

Gita गीता में

buddhism बौद्ध धर्म में

29. the word vedanta stands for-

वेदांत शब्द से तात्पर्य है-

Veda वेद

Upanishads उपनिषद्

Both दोनों



None of these इनमे कोई नहीं

30. Which part of vedic literature is called vedant-

वेद का कौन सा हिस्सा वेदांत कहलाता है-

First पहला

Last अंतिम

Middle मध्य

The whole सम्पूर्ण

### **Short and long answer type questions :**

- . Explain and examine Charvaka's materialistic Hedonism.
- चार्वाक के जड़वादी सुखवाद का आलोचनात्मक विवरण दें.
- Explain the Buddhist doctrine of Momentariness.  
बौद्ध दर्शन के क्षणिकवाद के सिद्धांत की व्याख्या करें.
- Explain Vaisheshika theory of Abhava or Non-existence.  
वैशेषिक के पदार्थ के रूप में अभाव की व्याख्या करें.
- Explain Samanya or Universality as a Vaishesika theory.  
वैशेषिक पदार्थ के रूप में सामान्य की व्याख्या करें.
- Explain karma or action as a vaishasika theory.  
वैशेषिक के पदार्थ के रूप में कर्म की व्याख्या करें.
- Explain the mimansa theory of 'karmaphala'.  
मीमांसा दर्शन के कर्मफल सिद्धांत की व्याख्या करें.
- . Discuss Anekantavada according to jaina philosophy.  
जैन दर्शन के अनुसार अनेकान्तवाद की विवेचना करें.
- . Discuss the second noble truth of Buddhism.  
बौद्ध दर्शन के द्वितीय आर्यसत्य की विवेचना करें.

- Explain the fourth noble truth or Eightfold path of Buddhism.

बौद्ध दर्शन के चतुर्थ आर्यसत्य अथवा अष्टांगिक मार्ग की व्याख्या करें.

- Explain the Sankhya theory of Causation or Satkaryavada.  
सांख्य के कारणता सिद्धांत या सत्कार्यवाद की व्याख्या करें.
- Explain Sankhya theory of Evolution.  
सांख्य के विकासवाद की व्याख्या करें.
- Explain the Shankara's theory of world.  
शंकर के जगत विचार की व्याख्या करें.

Dr.Abha Jha  
Asst.Prof. & Head  
Dept. of Philosophy  
DSPMU

.....